इंडियन एयरलाइन्स और निजी एयरलाइन्स की समय सारणी में असमानता

207. **श्री नरेश यादव:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इंडियन एयरलाइन्स और अन्य निजी एयरलाइन्स की उड़ान समय सारणी निर्धारित करने के लिए क्या मानदंड अपनाया जाता है;

(ख) उक्त विमान सेवाओं की समय सारणी का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है और उसके नियंत्रक प्राधिकारी कौन हैं;

(ग) क्या इंडयिन एयरलाइन्स के यात्री इन विमान सेवाओं की समय सारणी में असमानता होने के कारण निजी विमान सेवाओं की तुलना में देर से अपने गन्तव्य पर पहुंचते हैं;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ङ) समय सारणी में समन्वय के संबंध में सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) और (ख) यात्रियों की मांग, विमान और कर्मीदल की उपलब्धता, विमानपत्तन प्रचालनात्मक रूकावटें, रात्रि अवतरण सुविधाओं आदि की उपलब्धता को देखते हुए उड़ान समयावलियों का निर्णय लिया जाता है। नागर विमानन महानिदेशक सभी वाहकों की समयावलियों को विनियमित करता है।

(ग) से (ङ) इंडियन एयरलाइन्स ने सभी प्रमुख मार्गों पर अपनी उड़ानों के लिए सुविधाजनक समय की व्यवस्था की है। कर्मीदल की कमी के कारण यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी उड़ानों को प्रचलित करना संभव नहीं है। समयावलि बनाते समय उपयुक्त संभव समय की व्यवस्था की जाती है बशर्ते कि कोई रूकावट न पड़े।

Hoarding of Raw Jute

208. SHRI JOYANTA ROY: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that there has been large scale hoarding of raw rate in West Bengal causing abnormal price rise of raw jute;

(b) whether it is also a fact that several jute mills have since been closed down as their production has been cut down for want of raw jute; and

(c) if so, what steps have since been taken by Government in that regard?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) to (c) There was an increase in prices of raw jute during the last quarter of the 1994-95 jute season primarily because of mismatch between supply and demand. This was accentuated by uncertain Crop prospects for 1995-96 season due to adverse whether at showing time and accordingly, the anticipated delayed arrival of the crop in the market. While seven mills were closed down in the period May-July 1995 several operating units in West Bengal resorted to reduced number of shifts for which high prices of raw jute could be one of many factors as a slump during that period occurs seasonally. In order to curb the upward tendency in raw jute prices, at that time, several steps were taken by the Government, viz:

(1) Mills holding inventory of 8 weeks consumption requirement and above were directed under the Jute (Licensing and Control) Order 1961 to suspend further purchases;

(2) Raw jute traders holding stocks in excess of 500 qntls. were asked to declare their stocks to Jute Commissioner's Office;

(3) Import of raw jute was freely allowed under OGL without payment of any import duty; and

(4) The State Governments were requested to mobilise their licencing/enforcement machinery.

The Upswing in prices of raw jute has since been arrested and prices have begun showing a declining trend at present.